भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 49

दिनांक 29 जनवरी, 2026 को उत्तरार्थ

.....

नहरों और तटबंधों की मरम्मत

49. श्री वीरेंद्र सिंह:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हरित क्रांति के दौरान बनाई गई नहरें और तटबंध, जिनका उद्देश्य किसानों को सिंचाई सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करना और कृषि पैदावार बढ़ाकर राष्ट्र के विकास में योगदान देना था, की पूरे देश में वर्तमान में जर्जर अवस्था है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त जर्जर नहरों की मरम्मत के लिए किए गए बजट प्रावधान का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उत्तर प्रदेश के कृषि प्रधान जिले चंदौली में उक्त कार्य के लिए आवंटित बजट का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): जल, राज्य का विषय होने के कारण सिंचाई परियोजनाओं की योजना बनाना, उन्हें क्रियान्वित करना, उनका संचालन करना और उनका रखरखाव करना, जिसमें तटबंधों और नहरों का रखरखाव भी शामिल है, संबंधित राज्य सरकार का दायित्व है। भारत सरकार की भूमिका केवल तकनीकी सहायता प्रदान करने और चल रही योजनाओं के अंतर्गत चिन्हित परियोजनाओं के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करने तक सीमित है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) का त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) घटक, देश में प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करके सिंचाई क्षमता के सृजन, पुनर्स्थापन और स्थायिकरण के लिए समर्पित है। पीएमकेएसवाई के एआईबीपी घटक के तहत सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण भी किया जाता है।

पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से अब तक 10 विस्तार, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण परियोजनाओं की शुरूआत की गई है। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है। तथापि, इन ईआरएम परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले को लाभ नहीं मिलता है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य	वर्ष 2016-17 से अब तक प्रदान की गई केंद्रीय सहायता (रुपये करोड़ में)	इस परियोजना के अंतर्गत सिंचाई क्षमता का सृजन/पुनर्स्थापन/ स्थायिकरण किया गया है (हजार हेक्टेयर में)
1	मनियारी ईआरएम सिंचाई परियोजना	छत्तीसगढ	3.62	14.52
2	खारुंग ईआरएम (प्रमुख) परियोजना		0	10.30
3	मुख्य रावी नहर का पुनरुद्धार एवं आधुनिकीकरण	जम्मू एवं कश्मीर	15.29	50.75
4	एनएलबीसी प्रणाली परियोजना	कर्नाटक	929.4	105
5	प्रथम पटियाला फीडर और कोटला शाखा का पुनर्वास परियोजना	पंजाब	6.66	91.99
6	राजस्थान फीडर की रीलाइनिंग		540.00	82.37
7	सिरहिंद फीडर की रीलाइनिंग		197.00	69.09
8	गंग नहर का आधुनिकीकरण	राजस्थान	30.74	69.69
9	शुक्ला सिंचाई की ईआरएम	असम	93.89	3.2
10	लोकटक सिंचाई की ईआरएम	मणिपुर	30.79	15.21

*****